KAAV INTERNATIONAL JOURNAL OF LAW, FINANCE & INDUSTRIAL RELATIONS
A REFEREED BLIND PEER REVIEW BI-ANNUAL JOURNAL
KIJLFIR/JUL-DEC 2018/ VOL-5/ ISS-2/A5 PAGE N0.20-24
ISSN: 2349 2589 **WWW.KAAVPUBLICATIONS.ORG**

समुदाय में टीकाकरण के प्रति जागरूकता

[1]RONAK PRAJAPAT
[1]Medical Social Worker, Pacific Medical College and Hospital, Udaipur

[2]DURGA SHANKER DANGI
[2]Health Educator, Pacific Medical College and Hospital, Udaipur

[3]ASHISH PRAJAPAT
[3]Public Health Manager, UPHC, Aayad Udaipur

Received August 5th, 2018; Revised August 25th, 2018; Accepted September 29th, 2018

सारांश

हमारे देश में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष तक की आयु के बच्चों तथा तथा गर्भवती महिलाओं को घातक रोगों की विरूद्ध टीके दिए जाते हैंद्य ये रोग हैं, तपेदिक (टी.बी) डिप्थीरिया, परटूसिस (काली खाँसी), टिटनेस, खसरा (मीजल्स) तथा पोलियो (पोलियोमाइटिस) अगर किसी बच्चे को सही समय पर इन सभी रोगों से रक्षा करने वाली वैक्सीन्स की पर्याप्त खुराकें देकर रोग प्रतिरक्षित कर दिया जाता है तो भविष्य में वह इन घातक/अपंग करने वाली बीमारियों से काफी हद तक बचा रहेगा बाद में ऐसे बच्चे को टिटनेस टॉक्साइड वैक्सीन के अतिरिक्त अन्य वैक्सीन्स की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। टीकाकरण कार्यक्रम कारगर साबित हुए हैं। हालांकि इन टीकाकरण कार्यक्रमों का लाभ कई उन बच्चों को नहीं मिल पा रहा है जो उच्च जोखिम वाली बीमारियों की गिरप्त में होते हैं। इन टीकाकरण कार्यक्रमों से वंचित रहने वालों में उन बच्चों की संख्या ज्यादा है जो विकासशील देशों के होते हैं। तमाम अध्ययनों से इस बात का खुलासा हुआ है कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रमों के दायरे से बाहर रहने वाले वे बच्चे होते हैं जिनके माता–पिता अथवा अभिभावक या तो इन मुहिमों से अनभिज्ञ होते हैं या टीकाकरण को लेकर उनके मन में कोई आशंका या भय व्याप्त होता है। जागरूकता अभियान के माध्यम से इन कार्यक्रमों को रेखांकित करना होगा ताकि उनको प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। साथ ही माता–पिता अथवा अभिभावकों के मन से टीकाकरण कार्यक्रमों को लेकर व्याप्त किसी प्रकार की आशंका या डर को समाप्त किया जा सके।

Copyright © 2018 Published by kaav publications. All rights reserved www.kaavpublications.org